

13/5/24

पत्रावली पेश हुई वहील प्राची उपो वहील
 प्राची को अप्राची गवा की तामिल पेश करने
 के लिये पर्याप्त अवसर दिया जा चुका है, लेकिन
 पर्याप्त अवसर दिये जाने के बावजूद भी तामिल
 दिनांक तब तामिल की रयीतें पेश नहीं की
 वतः प्राची का कोवहन के तर्जिन द्वारा 232
 शिपकान को शकानी अतिविद्यम के तर्जिन को हेर
 उ विद्यम इ के लहन खादिल किया जाता है पत्रावली
 का सल शुमार होकर प्रभव से कम होकर हाथिल
 रूप में है।

